निर्णायक मैच में फील्डिंग पर फोकस करेगी टीम इंडिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। भारत और वेस्ट इंडीज के बीच तीन मैचों की सीरीज का आखिरी और निर्णायक टी20 मैच बुधवार को यहां के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमों के पास सीरीज जीतने का मौका है, लेकिन चुनौती है पिछली गलतियों से सीख कर निर्णायक मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करने की। हैदराबाद में भारत ने कप्तान विराट कोहली की पारी के दम पर विशाल लक्ष्य को बौना साबित कर जीत हासिल की थी। लेकिन तिरुवनंतपुरम में खेले गए दूसरे मैच में विंडीज ने हिसाब बराबर कर लिया।

इन दोनों मैचों को अगर देखा जाए तो भारत की सबसे बुरी स्थिति फील्डिंग की रही है। दोनों मैचों में भारत ने कैच छोड़े थे। दूसरे मैच के बाद तो कोहली ने साफ कह दिया था कि इस तरह की फील्डिंग से किसी भी लक्ष्य का बचाव नहीं किया जा सकता। अब चूंकि तीसरा मैच निर्णायक है, ऐसे में कोहली और कोच रवि शास्त्री का ध्यान इस पर जरूर होगा कि टीम की फील्डिंग इस मुकाबले में बेहतर हो। यह बेशक भारत की शीर्ष टीम नहीं कही जाए, लेकिन इसमें कई ऐसे युवा खिलाड़ी हैं, जिनके भरोसे टीम का भविष्य है।

धोनी कभी भी खुद को टीम पर नहीं थोपेंगे: शास्त्री

क्रिकेट

धोनी ले सकते हैं फैसला– इंटरनैशनल क्रिकेट खेलें या नहीं

धोनी ने दिया था जवाब- इस बारे में जनवरी तक कुछ न पूछो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट में इन दिनों सबसे बड़ा सवाल पूर्व कप्तान एमएस धोनी को लेकर यही चल रहा है कि क्या वह अब इंटरनैशनल क्रिकेट से संन्यास लेंगे या फिर टी20 वर्ल्ड कप से पहले एक बार फिर टीम इंडिया की नीली जर्सी में दिखाई देंगे। सीमित ओवर की क्रिकेट खेलने वाले सीनियर विकेटकीपर बल्लेबाज धोनी वर्ल्ड कप 2019 के बाद से ही ब्रेक पर हैं। चयनकर्ता उनके विकल्प के तौर पर खिलाड़ी ढूंढ रहे हैं तो वहीं टीम इंडिया के कप्तान हों या कोच या फिर बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरभ गांगुली, ये सभी धोनी पर अब तक यही जवाब देते रहे हैं कि

अपने भविष्य पर फैसला धोनी ही करेंगे। एक बार फिर भारतीय टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री ने साफ किया है अगर महेंद्र सिंह धोनी को लगता है कि वह अगले साल ज्20 वर्ल्ड कप खेलने की दौड़ में हैं तो इस पर शकिसी को सवाल नहीं उठानाश चाहिए। क्योंकि यह पूर्व कप्तान कभी खुद को टीम पर नहीं थोपेंगे।

शास्त्री से जब धोनी के भविष्य के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, वह (धोनी) महान खिलाड़ी हैं। उन्हें जानने के कारण मुझे पता है कि वह खुद को कभी भारतीय टीम पर नहीं थोपेंगे। वह ब्रेक लेना चाहते हैं लेकिन वह आईपीएल खेलने जा रहे हैं।

इंग्लैंड में खेले गए क्रिकेट वर्ल्ड कप के बाद से धोनी ब्रेक पर हैं। शास्त्री से जब पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि धोनी वापसी करेंगे तो उन्होंने कहा, अगर आईपीएल के बाद उन्हें लगता है कि वह भारत के लिए खेल सकते हैं तो किसी को उस पर सवाल नहीं उठाना चाहिए। धोनी ने लंबे समय तक अपनी भविष्य की योजनाओं पर चुप्पी बनाए रखने के बाद, हाल ही में कहा था, जनवरी तक कुछ भी मत पूछो। पिछले महीने धोनी को झारखंड की अंडर–23 टीम के साथ रांची में अभ्यास करते देखा गया था, जिसके बाद उनकी वापसी के कयास लगाए जा रहे हैं। इस दिग्गज खिलाड़ी ने 90 टेस्ट, 350 एकदिवसीय और 98 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 17,000 से ज्यादा रन बनाए हैं। एकदिवसीय में उन्होंने विकेट के पीछे 444 शिकार किए हैं, जबकि टेस्ट में उन्होंने 294 बार बल्लेबाजों को पविलियन भेजने में योगदान दिया है।

चोट से ठीक हो रहें हैं हार्दिक पंड्या, न्यू जीलैंड दौरे के लिए वापसी की कोशिश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से चोट के कारण भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पंड्या अपनी सफल सर्जरी के बाद अब रिहैबिलिटेशन की दौर से गुजर रहे हैं। हार्दिक ने कहा कि क्रिकेट उनके खून में बसा है और वह खुद को इससे ज्यादा दूर नहीं रख सकते। उन्होंने कहा कि वह अब मैदान पर फिर से वापसी करने के लिए मानिसक रूप से फिट होना चाहते हैं। टीम से दूर रहकर खुद को हार्दिक को भी अच्छा नहीं लग रहा है। हालांकि उनका कहना है कि उन्हें अभी संयम रखने की जरूरत है।

उन्होंने यह भी कहा कि वह

शारीरिक ही नहीं, मानसिक तौर पर भी फिट होना चाहता हूं

अपने साथ और भारतीय टीम के साथ भी अन्याय कर रहे थे। हार्दिक ने कहा, 'मैं काफी दिनों से पीठ दर्द के बावजूद खेल रहा था। मैं कोशिश कर रहा था कि मुझे सर्जरी न करानी पड़े। इसके लिए मैंने हर वह कोशिश की, जो कर सकता था, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। मैंने महसूस किया कि मैं अपना शतप्रतिशत प्रदर्शन नहीं दे पा रहा था।'

उन्होंने कहा, 'मैं अपनी उस पूरी क्षमता के साथ नहीं खेल पा रहा था, जितना खेल सकता था और इसकी वजह चोट थी। इसका मतलब यह भी था कि मैं अपने और अपनी टीम के साथ न्याय नहीं कर रहा था। इसके बाद ही मैंने सर्जरी कराने का फैसला किया।' हार्दिक ने आगे कहा, 'ईमानदारी से कहूं, तो अब मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। हम अच्छा काम कर रहे हैं। सर्जरी के बाद वापसी करना आसान नहीं होता। इसलिए हम पूरा एहतियात बरत रहे हैं।

हरफनमौला क्रिकेटर ने कहा, 'पिछले चार–पांच वर्षों से खेलते हुए मैंने यह पाया है कि आप चोटिल नहीं होना चाहते हैं फिर भी आप चोटिल हो जाते हैं। यह खिलाड़ी के जीवन का एक हिस्सा है। आप यह दावा नहीं कर सकते कि चोटिल नहीं होंगे। इसलिए अब मैं मजबूत होकर वापसी करना चाहता हूं।' यह पहली बार नहीं है जब हार्दिक चोट से वापसी कर रहे हैं, लेकिन इस समय वह मानसिक रूप से स्वस्थ रहना चाहते हैं।

भारत में डोपिंग के मामले परेशान करने वालेरू रीजीजू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नयी दिल्ली। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने मंगलवार को कहा कि भारत में डोपिंग के मामले 'काफी परेशान' करने वाले हैं और देश में स्वच्छ खेल संस्कृति का विकास करने की जरूरत है ताकि विदेश में ऐसे मामलों में पकड़े जाने के बाद हमारी छवि खराब ना हो। रीजीजू ने कहा कि भारत को एक स्वच्छ खेल राष्ट्र बनने के लिए ऐसे मामलों में शामिल होने वालों को पकड़ना चाहिए तथा अज्ञानता के कारण इसमें फंसने वालों को शिक्षित करने के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा, '' मैं यह नहीं कह रहा हूं कि डोपिंग के सभी मामलों में जानबूझकर प्रतिबंधित पदार्थों को लिया गया है लेकिन कुछ जानबूझकर भी लेते हैं। कुछ ऐसे खिलाड़ी भी हैं जो अनजाने में ऐसे ड्रग ले लेते हैं।'' खेल मंत्री ने कहा, '' इसलिए स्वच्छ खेलों के बारे में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। अगर आप सप्लीमेंट लेते हैं तो इसमें सावधानी बरतने की जरूरत है। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर पर जानबूझकर डोपिंग करने के खिलाफ एक आक्रामक अभियान चलाने जी जरूरत है। इसके साथ ही उन लोगों को भी जागरूक बनाने की आवश्यकता है जो अनजाने में ऐसी गलती कर बैठते हैं।''

न्यूज डायरी

पाक क्रिकेटर नासिर जमशेद फिक्सिंग के दोषी, अनवर और एजाज ने भी कबूला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज नासिर जमशेद को टी20 स्पॉट फिक्सिंग मामले में साथी क्रिकेटरों को रिश्वत देने की साजिश में शामिल होने का दोषी पाया गया। दो अन्य व्यक्तियों युसूफ अनवर और मोहम्मद एजाज ने पीएसएल खिलाड़ियों को रिश्वत की पेशकश की बात कबूल की है। तीनों की सजा फरवरी में तय की जाएगी।

जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि 2016 में बांग्लादेश प्रीमियर लीग में भी फिक्सिंग का प्रयास किया गया था जबकि पीएसएल 2017 में मैच फिक्स किए गए। दोनों मामलों में इस सलामी बल्लेबाज ने एक ओवर की पहली दो गेंदों पर रन नहीं बनाए, जिसके बदले में उसे पैसे दिये गए। जमशेद ने पीएसएल में नौ फरवरी को इस्लामाबाद युनाइटेड और पेशावर जल्मी के बीच दुबई में खेले गए मैच में खिलाड़ियों को फिक्सिंग के लिए उकसाया था। जमशेद ने पाकिस्तान के लिए टेस्ट, वनडे और टी20 मैच खेले हैं।

मौजूदा चौंपियन सिंधु को विश्व टूर फाइनल्स में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ग्वांग्झू। विश्व चौंपियनशिप में गोल्ड जीतने के बाद से खराब दौर से जूझ रही भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु को उम्मीद है कि यहां बुधवार से शुरू हो रहे सत्र के आखिरी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में वह फॉर्म में लौटेंगी। सिंधु ने अगस्त में बासेल में विश्व चौंपियनशिप जीती, लेकिन उसके बाद से वह लगातार खराब फॉर्म में हैं। ओलिंपिक सिल्वर मेडलिस्ट सिंधु जुलाई में इंडोनेशिया ओपन सुपर 750 टूर्नमेंट के फाइनल में पहुंची थीं। इसके बाद कोरिया ओपन और फुजोउ ओपन में पहले दौर से बाहर हो गईं जबकि चाइना ओपन, डेनमार्क ओपन और हॉन्गकॉन्ग ओपन के दूसरे दौर में हारीं। बीडब्ल्यूएफ रेस टू ग्वांग्झू रैंकिंग में सिर्फ शीर्ष आठ खिलाड़ी ही विश्व टूर फाइनल्स खेलते हैं। सिंधु इस साल के आखिर में 15वें स्थान पर होगी, लेकिन विश्व चौंपियन होने के कारण उन्हें खेलने का मौका मिलेगा। सिंधु ने विश्व फाइनल्स की तैयारी के लिये हॉन्गकॉन्ग ओपन के बाद ब्रेक लिया था।

बचपन में कैंसर को हराया, आज ओलिंपिक की रेस में

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। यह कहानी जम्मू शहर की उस लड़की की है जिसे एक समय कैंसर जैसी घातक बीमारी ने घेर लिया था। आज वही लड़की तोक्यो ओलिंपिक्स में जगह बनाने से चंद फासले पर खड़ी है। अगर वह ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाई करती है तो उसका नाम हमेशा के लिए इतिहास में दर्ज हो जाएगा। हम बात कर रहे हैं शिवानी चरक की जो आज भारत की नंबर वन स्पोर्ट्स क्लाईंबर हैं। स्पोर्ट्स क्लाईंबिंग को तोक्यो ओलिंपिक्स में शामिल किया गया है। वैसे तो यह खेल बहुत ही पुराना है लेकिन यह पहली बार है जब इस खेल को ओलिंपिक्स में जगह मिली है। कई इंटरनैशनल इवेंट में अपना परचम फहरा चुकीं 19 वर्षीय शिवानी भी बखूबी यह बात जानती हैं कि वह इन खेलों में भारत की ओर से ओलिंपिक्स में भाग लेने वाली पहली ऐथलीट बनने के बहुत करीब हैं।

रेक्स सिंह ने 22 रन देकर झटके 8 विकेट, मिजोरम टीम 65 पर ऑलआउट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। रणजी ट्रोफी शुरू हो चुका है और पहले दिन ही मणिपुर के 19 वर्षीय तेज गेंदबाज रेक्स सिंह ने एक पारी 8 विकेट झटकते हुए तहलका मचा दिया। उन्होंने यह कारनामा मिजोरम की टीम के खिलाफ विडियोकॉन अकादमी ग्राउंड कोलकाता में किया। उनके करिश्माई प्रदर्शन की बदौलत मिजेरम की पहली पारी सिर्फ 16 ओवरों में 65 रन पर सिमट गई। रेक्स ने 8 ओवर की गेंदबाजी की, जिसमें 4 ओवर मेडल रहे। उन्होंने कुल 22 रन खर्च किए और 8 विकेट झटके। दो अन्य विकेट बिश्वार्जित ने लिए। दूसरी ओर, मिजोरम के लिए सबसे अधिक तरुवरर कोहली ने 35 गेंदों में 8 चौके की मदद से 34 रन बनाए, जबकि लाल्हिमागैया ने 17 गेंदों में 4 चौके की मदद से 16 रन की पारी खेली।